– Save This Page as a PDF–

यीशु की बाल्यावस्था और बचपन

लुका २: २१-४० और मथी २: १-२३



हालाँकि ईसाई परंपरा और कला ने अक्सर चरवाहों और
पंडित दोनों को नवजात शिशु यशुआ के साथ-साथ जाने में चित्रित किया है, लेकिन वे कभी भी सुसमाचार के भीतर एक ही सांस में जुड़े या उल्लिखित नहीं होते हैं। लुका बुद्धिमान पुरुषों के बारे में जानने का कोई संकेत नहीं दिखाता है और मथी कभी चरवाहों का उल्लेख नहीं करता है। जब बुद्धिमान लोग यीशु के घर में मिलने आते हैं, तो उन्होंने बच्चे को उसकी माँ के साथ देखा (मत्ती २: ११a)। केवल मैटिआटाहु ने अपने पुत्र की हत्या से बचने के लिए मिस्र में जोसफ और मैरी के भागने का वर्णन किया जो हेरोड द पैरानॉयड (मत्ती २:१३-१८) में उनके बेटे की हत्या से बचने के लिए किया गया था, और फिर उनकी नासिक में वापसी हुई जहाँ यीशु ने बचपन बिताया (मथी २:१९-२३) –)। चरवाहे मसीहा की पूजा करते थे (लूका २:१६); लेकिन, पंडित ने एक घर में मसीह की पूजा की (मत्ती २:११)। नतीजतन, चरवाहों और पंडित के खातों को कम से कम दो साल से अलग किया जाता है।

मिस्र से भागने के अलावा, यह ध्यान रखना महत्वपूर्ण है कि एक बच्चे के रूप में मसीह पर सुसमाचार का कोई रिकॉर्ड नहीं है। मरकुस और योहोना के लिए, यह मसीहा का वयस्क सार्वजनिक सेवा है, जो उसकी मृत्यु और पुनरुत्थान में समाप्त होता है, जो कि सुसमाचार का निर्माण करता है। सुसमाचार में कहीं भी वयस्क यीशु ने अपने शिक्षण में सीधे अपने बचपन को संदर्भित नहीं करता है। मथी और लुका, हालांकि, येशुआ के जन्म और बंग्सबली के बारे में कहानियाँ शामिल करते हैं।

फिर भी चार सुसमाचार उन लोगों के साथ खड़े हैं, जो दूसरी शताब्दी के मध्य से हमारे सामने आते हैं – यीशु की तथाकथित “गुमशुदा सालों” के बारे में अपोसरीफाल की कहानियाँ, उसके बपतिस्मा से पहले। २४, उदाहरण के लिए, थॉमस का झूठा सुसमाचार

As – यीशु की बाल्यावस्था और बचपन | 2

था 1945 में खोजा गया। यह उस समय की लोकप्रिय शैली का हिस्सा था, जो मसीह के बचपन की अधिक चमत्कारी और अनोखी कहानियों के लिए शुरुआती विश्वासियों के बीच एक भूख को संतुष्ट करने के लिए लिखा गया था। इस झूठे सुसमाचार में, येसुआ माना जाता है कि वह मिट्टी से बने पक्षियों में जीवन जीता है, एक लड़के को शाप देता है, जो एक लाश बन जाता है, और दूसरे लड़के को शाप देता है, जो मृत हो जाता है और जिसके माता- पिता अंधे हो जाते हैं।

विश्वासियों के रूप में, हमें इस तरह की हताश खोज से बचना चाहिए। परमेश्वर ने हमें अनाथ के रूप में नहीं छोड़ा है। उसने हमें वह सब कुछ दिया है जिसकी हमें आज विजयी जीवनयापन के लिए आवश्यकता है। जैसा कि रब्बी शाऊल ने कहा था: अब हम देखते हैं लेकिन एक दर्पण के रूप में एक गरीब प्रतिबिंब। एक बार जब हम स्वर्ग में होते हैं, तो हम प्रभु को आमने सामने देखते हैं और इस समय की तुलना में इस जीवन को अधिक समझते हैं। अब हम भाग में जानते हैं; लेकिन तब हम पूरी तरह से जान लेंगे (१ कुरिन्थियों १३:१२)। ADONAI हम पर कुछ भी वापस नहीं रख रहा है। अब हम जो नहीं जानते हैं, वह उचित समय पर हमारे सामने आएगा। उन्होंने हमारे लिए पूरी तरह से और पूरी तरह से प्रदान किया है।